Plan for development of tourism infrastructure in Gujarat

3499. SHRI AHMED PATEL: Will the MINISTER OF TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government of Gujarat have submitted any plans for development of tourism infrastructure such as construction of wayside amenities, tourist bungalows, lodges, Yatri Niwas and such other facilities which are pending clearance with the Central Government;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether the Central Government have extended financial assistance to Government of Gujarat for the purpose during the last three years; and

(d) if so, the yearwise details thereof?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF TOURISM (SHRI SRIKANTA JENA): (a) and (b) the development of Tourism is primarily the responsibility of the State Government. The Central Department of Tourism in consultation with the State Government identifies projects for financial assistance. For the year 96-97, the following proposals were received and prioritised for central assistance for the State of Gujarat:—

Sl. No.	Name of the Project
1.	Flood lighting of Dwarkadheesh Temple at Dwarka.
2.	Refurbishment of Monument, Sun-Temple at Modhera.
3.	Refurbishment of Monument, Step-well at Modhera.
4.	Public convenience at Ambeji.
5.	Flood lighting of Lakhota Palace, Jamnagar.

(c) and (d) The details of the projects/schemes for which central financial assistance has been extended to Gujarat State during the last three years are given as under:—

1993-94

Sl. No.	Name of the project
1.	Tourist Complex at Nalsarover.
2.	Cafetaria at Porbandar.
3.	Floodlighting of Somnath Temple.
4.	Two units of Sprit Type land-sailing Yatch.
5.	Navratri festival
6.	Tarnetar fair.
7.	Publicity support.

1994-95

1.	Tourist Lodge at Kuda (Bhavnagar District).
2.	Assistance for Brochure on Royal Orient Express.
3.	Tarnetar Festival.

1995-96

1.	Assistance for Kutch Festival.
2.	Assistance for production of publicity material.

गैर-सरकारी एयरलाइनों द्वारा अधिशुल्कों एवं करों की गैर-अदायगी

3500. **श्री सोमपाल:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गैर-सरकारी एयरलाइनों ने केन्द्र सरकार को देय विभिन्न अधिशुल्कों एवं करों की अदायगी नहीं की है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि गैर-सरकारी एयरलाइनें बीमा आदि के संबंध में तथा विमानों के रख-रखाव के संबंध में निर्धारित नियमों का भी उल्लंघन करती है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ङ) इन नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने और उल्लंघन किए जाने पर दण्डात्मक कार्यवाही करने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं अथवा उठाने जा रही है; और

(च) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

नागर विमानन मंत्री (श्री सी० एम० इब्राहीम): (क) और (ख) एयर टैक्सी एवं अनुसूचित प्रचालकों की ओर बकाया अन्तर्देशीय हवाई यात्रा कर तथा हवाई अड्डा प्रभारों की राशि क्रमशः संलग्न विवरण I तथा II में दर्शाई गई है। **(नीचे देखिए)**

(ग) और (घ) मै० ईस्ट वेस्ट एयरलाइन्स (ई डब्ल्यू ए) ने जून, 1996 के महीने में दो दिन तक बीमा सुरक्षा के बिना अपने विमानों का प्रचालन किया था। कुछ गैर-सरकारी विमान कंपनियों द्वारा अनुरक्षण अपेक्षाओं संबंधी कुछ उल्लंघन किए गए थे।

(ङ) और (च) मै० ई० डब्ल्यू० ए० को इस मामले में अपना स्पष्टीकरण देने के बारे में एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

अनुरक्षण अपेक्षाओं की उल्लंघनों के लिए गलती करने वाले विमान अनुरक्षण अभियंताओं के विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई की गई है।

विवरण-I

	वाहक का नाम	दिनांक 12.7.96 को अंतर्देशीय हवाई यात्रा कर को बकाया राशि (ब्याज तथा जुर्माने सहित)
		(लाख रुपए में)
1.	मै० राज एविएशन प्रा०लि०	61.76
2.	मै० सिटी लिंक एयरवेज	78.82
3.	मै० एअर एशियाटिक लि०	75.78
4.	मै० कांटिनेंटल एविएशन प्रा०लि०	74.86
5.	मै० गोवा एयरवेज एविएशन	3.30
6.	मै० जगसन एयरलाइन्स	17.30
7.	मै० सपन एविएशन पूणे	13.22
8.	मै० वी०आई०एफ० एयरवेज लि० हैदराबाद	23.56
9.	मै० यू०पी० एयरवेज लि०	100.71
10.	मै० एन०ई०पी०सी० एयरलाइन्स	77.48
11.	मै० मोदी लुफ्त	304.41
12.	मै० ईस्ट वेस्ट एयरलाइन्स	341.32
13.	मै० स्काइलाइन० एन०ई०पी०सी०	63.68
14.	मै० अर्चना एयरवेज	5.57

विवरण-II

दिनांक 31.1.1996 की स्थिति के अनुसार गैर-सरकारी एयरलाइनों द्वारा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को देय हवाई अड्डा प्रभार की बकाया राशि का विवरण

क्र०सं०	पार्टी का नाम	बकाया राशि (लाख रुपए में)
1.	एरियल सर्विसिज	0.47
2.	अर्चना एयरवेज	15.43
3.	क्रांटिनेंटल एविएशन	36.83
4.	सिटी लिंक एयरवेज	0.59
5.	कासमोस फलाइट लि०	1.55
6.	दमानिया एयरवेज	128.39
7.	दिल्ली-गल्फ एयरवेज	0.65
8.	एल०बी० एयरलाइन	3.87
9.	ईस्ट वेस्ट एयरलाइन	1185.06
10.	ईस्टर्न एयरवेज	0.10
11.	गुजरात एयरवेज	2.76
12.	जेट एयरवेज	208.06
13.	जगसन एयरलाइन्स	20.84
14.	के०सी०वी० एयरलाइन्स	0.95
15.	माल्स देवधर एयरवेज	0.32
16.	मोदी लुफ्स एयरलाइन्स	248.90
17.	मेगापोड एयरलाइन्स	0.24
18.	एन०ई०पी०सी० एयरलाइन्स	113.20
19.	राज एविएशन	4.59
20.	सहारा इंडिया लि०	143.67
21.	सपन एविएशन	4.20
22.	सराया एविएशन प्रा०लि०	10.81
23.	ट्रांस भारत एविएशन प्रा०लि०	12.90
24.	यू०पी० एअर	33.57
25.	वी०आई०एफ० एयरवेज	15.30

Five-fold increase in the C.G.H.S. beneficiaries subscription

3501. **SHRI O.P. KOHLI:** Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government had increased the C.G.H.S. beneficiaries subscription five-fold last year;

(b) if so, whether improvements were